यूपी दुग्ध उत्पादन में देश में पहले स्थान पर : धर्मपाल

पशुधन मंत्री ने कहा, सालाना 387 लाख मीट्रिक टन दुग्ध का हो रहा उत्पादन

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। पशुधन व दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा है कि यूपी सरकार दुग्ध क्षेत्र में निवेश को लगातार प्रोत्साहित कर रही है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश सालाना लगभग 387 लाख मीट्रिक टन दुग्ध उत्पादन के साथ देश में प्रथम स्थान पर है, जो देश के कुल दुग्ध उत्पादन का करीब 16 प्रतिशत है। मंत्री सोमवार को स्थानीय होटल में डेयरी उद्योग विकास एवं संभावनाएं विषयक निवेशक कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने नए दुग्ध क्षेत्र विकास व दुग्ध उत्पादन प्रोत्साहन नीति 2022 के तहत उत्पादन, प्रसंस्करण व विपणन से संबंधित कई सुधार किए गए हैं। इस उद्योग को बढ़ावा देने के लिए निवेशकों को अनुकूल वातावरण, टैक्स छूट, अनुदान व अन्य सुविधाएं दी जा रही हैं। प्रदेश को दस खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में दुग्ध विकास विभाग का महत्वपूर्ण योगदान है।

कार्यशाला में प्रमुख सचिव अमित कुमार घोष, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के सीनियर मैनेजर आलोक प्रताप सिंह, आनंदा डेयरी के विनय शर्मा, महान मिल्क फूड के सार्थिका जायसवाल, मधुसूदन मिल्क के अयोध्या प्रसाद शुक्ला, बनासकांठा मिल्क यूनियन (अमूल डेयरी) से कैलाश ओझा, जायडस वेलनेस डेयरी से सीनियर मैनेजर डॉ. प्रवीण पाटिल आदि ने प्रस्तुतीकरण दिया।

प्रदेश को दस खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में विभाग का अहम योगदान

कार्यशाला को संबोधित करते पशुधन विकास मंत्री धर्मपाल सिंह। स्रोत: विभाग

■ **सपा के पूर्व सीएम को गाय के गोबर से आती थी बदबू...** कार्यक्रम में पशुधन मंत्री ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर एक बार फिर निशाना साधा। बिना उनका नाम लिए हुए कहा कि सपा के पूर्व सीएम को गाय के गोबर से बदबू आती थी। जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसे चंदन की तरह मानते हैं। प्रदेश में निवेश का यह बेहतरीन समय है। सरकार उद्यमियों को सुरक्षा भी दे रही है और सहयोग भी।

डेयरी सेक्टर की नई यूनिटों में उत्पादन शुरू

लखनऊ। इन्वेस्ट यूपी के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शशांक चौधरी ने कहा कि यूपी देश सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक राज्य रहा है। अब मूल्य संवर्धन और प्रोसेसिंग को भी मजबूत कर रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले भूमि निवेश समारोह के बाद 4000 करोड़ से अधिक के निवेश डेयरी क्षेत्र में हुए थे। इन नई इकाइयों में भी उत्पादन शुरू हो गया है। ब्यूरो